वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 64 | रविवार 2 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में ऑफिसर्स के पदों पर निकली वैकेंसी

जयपुर. कासं

राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए शानदार मौका है। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने 905 पदों पर ऑफिसर्स की भर्ती निकाली है। जिसके लिए ग्रेजुएशन कर चुके 40 साल तक की उम्र के उम्मीदवार राजस्थान लोक सेवा आयोग की ऑफिशल वेबसाइट पर जाकर 31 जुलाई तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट और इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। जिसमें सिलेक्ट होने पर उन्हें राजस्थान सरकार के अहम विभागों में ऑफिसर्स के पदों पर पोस्टिंग दी जाएगी। राजस्थान सरकार द्वारा कुल 905 पदों पर भर्तियां की जा रही है। जिनमें से 424 पद राज्य सेवाओं के लिए है। जबकि 481 पद अधीनस्थ सेवाओं के लिए हैं। हालांकि, यह संख्या अस्थायी है। परीक्षा के बाद जरुरत पड़ने पर RPSC पद बढ़ा या घटा भी सकती है।

सीपी जोशी की नई टीम का एलान

20 नए चेहरे शामिल, 15 को किया बाहर, 9 को रखा बरकरार

जयपुर. कासं

अध्यक्ष बनने के करीब 3 महीने बाद सीपी जोशी ने अपनी नई टीम का एलान कर दिया है। 29 लोगों की इस टीम में 20 नए चेहरों को शामिल किया गया है। वहीं पुरानी टीम के 9 लोगों को नई टीम में भी बरकरार रखा गया है। इसमें से दो लोगों को प्रमोट भी किया गया है। सीपी जोशी ने अपनी टीम का एलान पूरी तरह से विधानसभा चुनावों को देखते हुए किया है। टीम में उन लोगों को तरजीह देने की कोशिश की गई है, जो पूरी तरह से चुनाव में संगठन के लिए काम कर सकें। वहीं ऐसे लोगों को बाहर किया गया है, जो विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। नई टीम से जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश की है।

सांसद व पूर्व सांसदों को दी गई जगह

सीपी जोशी ने अपनी नई टीम में अलवर सांसद बाबा बालकनाथ योगी, टोंक सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया को जगह दी है। वहीं नागौर से पूर्व सांसद सीआर चौधरी व झुंझुनूं से पूर्व सांसद संतोष अहलावत को जगह दी गई है। इसके साथ ही पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया को भी टीम में जगह मिली है। इन सभी को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। सीआर चौधरी को पिछले लोकसभा चुनाव में आरएलपी से गंठबंधन के कारण टिकट नहीं मिला था। उन्हें प्रदेश की टीम में जगह देकर

बैलेंस करने की कोशिश की गई है। संतोष अहलावत को भी पिछले चुनाव में टिकट नहीं दिया गया था। ऐसे में उन्हें भी टीम में जगह मिली है। दोनों जाट समुदाय से आते हैं। अहलावत शेखावाटी अंचल से आती हैं। शेखावाटी में पिछले विधानसभा चुनावों में बीजेपी फिसड्डी साबित हुई थी।

20 नए चेहरे शामिल, 15 को किया बाहर, 9 को रखा बरकरार

सीपी जोशी की इस नई टीम में 20 नए चेहरों को शामिल किया गया है। वहीं पुरानी टीम के 15 लोगों को बाहर किया गया है। इनमें से अधिकतर वो लोग हैं, जिनकी आने वाले विधानसभा चुनावों में टिकट लगभग फाइनल है या फिर जो चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पुरानी टीम में से विधायक चंद्रकांता मेघवाल, विधायक मदन दिलावर को नई टीम में जगह नहीं मिली है। ये दोनों अगला विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। वहीं, जिन 9 लोगों को नई टीम में भी बरकरार रखा गया है। उनमें सांसद दीया कुमारी, सरदार अजयपाल, मुकेश दाधीच, विजेन्द्र पूनिया, पंकज गुप्ता व डॉ. श्याम अग्रवाल शामिल हैं। इसके साथ ही भजनलाल शर्मा को भी बरकरार रखा है। भजनलाल शर्मा ऐसे नेता हैं, जो लगातार चार अध्यक्षों की टीम में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं।

दो दिवसीय लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड ज्वेलरी शो

ऐग्जीबिशन में 20 हजार से 20 लाख रुपए तक के गहने प्रदर्शित, फ्री एंट्री के साथ खरीदने का भी अवसर

जयपुर. कासं। होटल ग्रैंड उनियारा में लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड ज्वेलरी की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शनिवार को शुभारंभ हुआ। ऐग्जीबिशन में 20 हजार से 20 लाख रुपए तक के गहने प्रदर्शित किए जा रहे है। काव्या इम्पैक्स के डायरेक्टर ललित अग्रवाल ने बताया कि विजिटर की सुविधा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी दी गई है। ऑन द स्पॉट

विजिटर पास भी जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुबह 10 से सांय 6 बजे तक पहले दिन 500 से अधिक विजिटर ने डायमंड ज्वैलरी की खूबियां जानी। करीब दो दर्जन से अधिक विजिटर ने ज्वैलरी खरीदी। ललित चौधरी ने बताया कि जयपुर में लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड ज्वेलरी की प्रदर्शनी पहली बार आयोजित की जा रही है। इसमें लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड से निर्मित होने वाली हर तरह की ज्वेलरी शो-केस की गई है। आज की तारीख में भारत में जितना भी डायमंड बनता है उसका 70 प्रतिशत डायमंड अमेरिका में जाता है। इसका सबसे बड़ा बाजार यूएस है। ललित चौधरी कहते हैं कि आज नैचुरल डायमंड इंडस्ट्री से जितने लोग जुड़े हैं अगर ये इंडस्ट्री आगे बढ़ती है तो इससे और रोजगार पैदा होगा। 1 लाख करोड़ का माइन डायमंड आता है तो 20 हजार करोड़ का कट एंड पेस्टग वैल्यू लग जाता है।

रक्तदान शिविर सम्पन्न -103 यूनिट रक्त संग्रहित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। रोटरी क्लब नसीराबाद व राजकीय सामान्य चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राजकीय सामान्य चिकित्सालय के नेत्र विभाग में रक्तदान शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 103 जनों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष आशीष गोयल ने बताया कि इस अवसर पर डॉ डे भी मनाया गया और 40 डॉक्टरों का सम्मान किया गया। क्लब द्वारा हर वर्ष की भांति सी ए डे भी मनाया गया। जिसमें 10 सी ए का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रोटेरियन अमित तापड़िया, गौरव जिन्दल, विजय मेहरा ,जय किशन ,मनीष, अरविंद, भीकम, भागचंद, हितेश, सुनील, विविन, ध्रुव, जितेश, सीमा सेठी, कमल, जुगल, अनुराग आदि उपस्थित थे। शिविर में चिकित्सालय के पीएमओ डॉ विनय कपूर व डॉ नीरज नागर व डॉ पुष्पेंद्र प्रभाकर का पूर्ण सहयोग रहा।

नेशनल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस पर सीए के . सी . डोसी एवम सीए आर . के .ओस्तवाल का अभिनंदन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

जयपुर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अमृत महोत्सव के शुभावसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर के संस्थापक सदस्य एवम पूर्व अध्यक्ष सीए के सी डोसी एवम प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आर के ओस्तवाल का नेशनल सीए डे के अवसर पर हार्दिक अभिनंदन एवम स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीए के सी डोसी का माल्यार्पण के पश्चात शाल एवम साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया,इस अवसर पर सीए डोसी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रदत्त सेवाओं का स्मरण कर आभार ज्ञापित किया गया। उन्होंने ब्यावर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स परीक्षाओं के प्रति बढ़ती अभिरुचि को आर्थिक उन्नति एवम क्षेत्रीय उज्वल भविष्य का प्रतीक बताया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात आर्थिक सलाहकार सीए राजेन्द्र कुमार जी ओस्तवाल का भी उपस्थित सदस्यो ने माल्यार्पण साफा एवम शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सीए ओस्तवाल ने श्री वर्द्धमान परिवार ब्यावर के प्रति आभार प्रकट करते हुए महाविद्यालय में निरंतर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स परीक्षा केंद्र संचालन पर भी हर्ष व्यक्त किया।उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स प्रोफेशन के वर्तमान आर्थिक युग में बढ़ते महत्व एवम उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय विद्यार्थियो की पहली पसन्द बनने पर हर्ष व्यक्त किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर तथा भारतीय औद्योगिक विस्तार को देखते हुए इस पेशे के भविष्य की उज्ज्वलता के कारण आर्थिक सुदृढ़ता का प्रतीक बताया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया एवम मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने सी.ए. को व्यापार एवम उद्योग जगत की मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि यह पेशा भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तम्भ है । कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम में उपाध्यक्ष प्रथम गौतम चंद गोखरू, सहमंत्री सुनील कुमार ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष रमेशचंद मेड़तवाल, चंदूलाल कोठारी, उत्तमचंद देरासरिया एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन निधि पंवार एवम आशा योगेश्वर ने किया ।

नेशनल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस पर सीए के. सी. डोसी एवम सीए आर. के.ओस्तवाल का अभिनंदन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के अमृत महोत्सव के शुभावसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर के संस्थापक सदस्य एवम पूर्व अध्यक्ष सीए के सी डोसी एवम प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आर के ओस्तवाल का नेशनल सीए डे के अवसर पर हार्दिक अभिनंदन एवम स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीए के सी डोसी का माल्यार्पण के पश्चात शाल एवम साफा पहनाकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया,इस अवसर पर सीए डोसी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रदत्त सेवाओं का स्मरण कर आभार ज्ञापित किया गया। उन्होंने ब्यावर में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स परीक्षाओं के प्रति बढ़ती अभिरुचि को आर्थिक उन्नति एवम क्षेत्रीय उज्वल भविष्य का प्रतीक बताया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात आर्थिक सलाहकार सीए राजेन्द्र कुमार जी ओस्तवाल का भी उपस्थित सदस्यो ने माल्यार्पण साफा एवम शाल ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सीए ओस्तवाल ने श्री वर्द्धमान परिवार ब्यावर के प्रति आभार प्रकट करते हुए महाविद्यालय में निरंतर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स परीक्षा केंद्र संचालन पर भी हर्ष व्यक्त किया।उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स प्रोफेशन के वर्तमान आर्थिक युग में बढ़ते महत्व एवम उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय विद्यार्थियो की पहली पसन्द बनने पर हर्ष व्यक्त किया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर तथा भारतीय औद्योगिक विस्तार को देखते हुए इस पेशे के भविष्य की उज्ज्वलता के कारण आर्थिक सुदृढ़ता का प्रतीक बताया।

ऐतिहासिक वर्कशॉप का ऐतिहासिक समापन कार्यक्रम

पहल थियेटर एवं पर्सनेलिटी डवलपमेंट वर्कशॉप के समापन पर 200 बच्चों ने किया अपने टेलेंट का प्रदर्शन

अरिहन्त नाट्य संस्था द्वारा प्रस्तुत ARL प्रेजेन्ट्स पहल थियेटर एवं पर्सनल्टी डवलपमेंट वर्कशॉप, प्रमोटेड बॉय RK मार्बल्स ग्रुप, का समापन कार्यक्रम दिनांक 29 व 30 जून को सायं 7.15 बजे महावीर स्कूल, सी-स्किम में किया गया। जिसमें 200 बच्चों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया ।

जयपुर

शहर में चर्चा का विषय बनी ARL प्रेजेंट्स पहल थियेटर एवं पर्सनल्टी डवलपमेन्ट वर्कशॉप समाज श्रेष्ठी नन्दकिशोर प्रमोद पहाड़िया (ARLGROUP) व समाज गौरव अशोक सुशीला पाटनी (R.K.MARBLE GROUP) के विशेष सहयोग से जयपुर शहर के 7 स्थानो,श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्र प्रभ जी दुर्गापुरा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट मानसरोवर, श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर विवेक विहार, अनुप्रिया बुटीक महेश नगर, बिकन पब्लिक स्कूल मुरलीपुरा, आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मंगल विहार,धूप छाँव फाउन्डेशन पर लगभग 250 बच्चों के साथ शुरू हुई, जिसमे बच्चों ने खेल उमंग उत्साह जोश और जुनून के साथ अपना सर्वांगीण विकास किया। उसी कड़ी में 29 व 30 जून को महावीर स्कूल,सी स्किम में इस ऐतिहासिक कार्यशाला का दो दिवसीय समापन कार्यक्रम मुट्ठी में आकाश का शानदार समापन हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत गौरवमयी अतिथि उत्तमचंद पाटनी व विभोर अजमेरा द्वारा दीप प्रज्जवलन से की गई।कार्यक्रम में सम्माननीय अथिति के रूप में 29 व 30 जून को समाज श्रेष्ठी शिखर चंद कासलीवाल, यशकमल अजमेरा, ताराचंद पोल्याका,श्रीमती ललिता देवी ज्ञानचंद मीनू बाकलीवाल, उत्तम चंद पाटनी,राजीव जैन(सरस डेयरी),श्रीमति रेणु राणा,श्रीमति किरण अशोक बगड़ा, डॉ. एम. एल.जैन मणि एवम राजेन्द्र आशा शाह की गरिमामय उपस्थिति रही।कार्यक्रम की मुख्य समन्वयक श्रीमती शीला डोडिया,डॉ. वन्दना जैन ने बताया कि कार्यक्रम में दूसरे दिन 30 जून को 200 बच्चों ने 4 ड्रामा और 4 डांस परफॉर्मेंस की प्रस्तुति दी। सर्वप्रथम दुर्गापुरा के रंग भरे सितारे ग्रुप के बच्चों ने मंगलाचरण की शानदार प्रस्तुति दी जिसका निर्देशन अल्का श्रीवास्तव ने किया। उसके बाद SRK सर के निर्देशन में वैशाली नगर के सुपर राइजिंग किड्स ग्रुप ने एक नाटक स्मोबाइल से पहले और मोबाइल के बादस प्रस्तुत किया।उसके बाद अल्का श्रीवास्तव के निर्देशन में दुर्गापुरा के मस्ती की झील ग्रुप ने डांस प्रस्तुत किया। फिर होसाना के निर्देशन में मुरलीपुरा के द सर्कल ग्रुप ने नाटक कठघरे में

बेरोजगारी की प्रस्तुति दी। उसके बाद अल्का श्रीवास्तव के निर्देशन में द राइजिंग ड्रामेबाज ग्रुप ने डांस की प्रस्तुति दी उड़ान ग्रुप महेश नगर के बच्चों ने नाटक फेमिली (निर्देशन मोनिका) मंगल विहार के जयपुर टाइगर्स ग्रुप के बच्चों ने डांस और विवेक विहार के आशा ग्रुप के बच्चों ने अजय जैन मोहनबाड़ी, ऋचा पालीवाल और कमलेश चंदानी ने निर्देशन में नाटक चीं चीं का मंचन किया।कार्यक्रम का संचालन समन्वयक डॉक्टर वंदना जैन एवं श्रीमती नीता जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बताया कि इस कार्यशाला के लिए साथ स्थानों पर सयोजिकाओ का गठन किया गया जिनमें श्रीमती चन्दा सेठी,श्रीमती रेणु पांड्या,श्रीमती सुनीता पांड्या (दुर्गापुरा) श्रीमती नीता जैन,श्रीमती भवंरी देवी जैन(थड़ी मार्किट)श्रीमती सरला बगड़ा, श्रीमती मैना देवी,श्रीमती अलका जैन, श्रीमती रौनक बगड़ा, श्रीमती शिल्पी बगड़ा(विवेक विहार)श्री नवीन जैन बिल्टीवाला, श्रीमती श्वेता पाटोदी,श्रीमती राज रानी जैन(मंगल विहार)श्रीमती स्पृहा जैन(महेश नगर)श्रीमती गरिमा पाटनी(मुरलीपुरा)श्रीमती मीरा अग्रवाल(वैशाली नगर) मुख्य रही।अंत मे सम्पूर्ण वर्कशॉप के निर्देशक अजय जैन मोहन बाड़ी और तपन भट्ट। ने पूरी वर्कशॉप के बारे जानकारी दी और आगंतुक दर्शकों का आभार व्यक्त किया व अरिहन्त नाट्य संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष अशोक जैन व नेमीचंद जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों व संयोजकों को सर्टिफिकेट प्रदान किये।

वेद ज्ञान

निज स्वरूप आत्मा

सर्वप्रथम हम परमेश्वर से उत्पन्न होकर पूर्ण विशुद्ध थे। जैसे-जैसे ब्रह्मांड की रचना होती गई, आत्मा पर आवरण चढ़ता गया। सभी आत्माएं माया जाल में लिपटती गईं। जब जगत का विस्तार होता है तब जीवों की संख्या बढ़ती है। और जब जनसंख्या बढ़ती है तब जटिलताएं बढ़ने लग जाती हैं और फिर जटिलताओं में जीने के लिए नियमों का गठन होता है। सभी के जीने लायक नियम प्रतिपादित किए जाते हैं। हम सभी सत्य से दूर होकर आडंबर और कृत्रिमता में बंध जाते हैं। कृत्रिमता में बंधने के कारण दुख का प्रादुर्भाव होने लगता है। फिर उस दुख में सुख की खोज होने लगती है। सर्वप्रथम जीव इसलिए सुखी था, क्योंकि वह पवित्र और विशुद्ध था। अब वह स्वयं को भूल गया है, परंतु कहीं गइराई में वही प्राचीन विस्मृत हुई सुख की अनुभूति विद्यमान रहने के कारण वह स्वयं को सुखी करने के लिए सतत प्रयत्नशील रहता है। मार्ग न मिलने के कारण मानव वहां सुख की खोज करता है, जहां सुख है ही नहीं। मनुष्य चावल के भूसे से दाना निकालने की तरह सुख ढूंढ़ने का प्रयास करता है। जैसे भूसे में दाना नहीं होता, उसे बेकार में कूटकर कुछ न मिलने से मनुष्य दुखी होता है। वैसे ही जीव सुख तलाशने का प्रयास करता है, परंतु भूसे में दाना न मिलने की भांति यहां तो सुख है ही नहीं। मानव सुख की लालसा पाल कर और अधिक दुख मोल ले लेता है। इस प्रकार जगत की माया में उलझा हुआ जीव सुबह सूर्योदय से लेकर रात्रि सोने के समय तक अपने कार्यों में रत होकर एक दिन का चक्र पूरा करता है। फिर सप्ताह, माह व वर्षवार के चक्र को पूरा करता हुआ जीवन के जाल में फंसा ही रहता है। वह इससे उबर नहीं पाता। इस चक्रव्यूह में फंसकर वह अपने जीवन का अंत कर लेता है। संत कबीर की वाणी से हम इसको समझ सकते हैं। वे समझाते हुए कहते हैं, माया मरी न मन मरा, मर मर गए सरीर, आशा तृष्णा न गई यों कहें दास कबीर।। इसी सुख-दुख के चक्र में उलझा हुआ मनुष्य अपने निज आनंद स्वरूप को भुला बैठा है। वह भौतिक शरीर को ही अपना सच्चा स्वरूप मानकर प्राण शक्ति को सांसारिक कार्यों में लगाकर जीवन शक्ति को खर्च कर डालता है।

संपादकीय

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना सराहनीय

आज जिस तरह दुनिया तकनीक के सहारे तरक्की के रास्ते तलाश रही है, उसमें वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान का महत्त्व लगातार बढ़ता गया है। इसी के मद्देनजर भारत सरकार ने वैज्ञानिक शोधों को बढ़ावा देने के मकसद से राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन यानी एनआरएफ गठित करने का फैसला किया है। इससे संबंधित विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। अगले पांच साल की अवधि के लिए इसमें पचास हजार करोड़ रुपए की राशि भी मंजूर कर दी गई है। माना जा रहा है कि इससे वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी आएगी और तकनीकी मामलों में दूसरे देशों पर निर्भरता कुछ कम होगी। इसी से जुड़ा एक फैसला विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी ने भी किया है। उसने विश्वविद्यालयों और उद्योगों के परस्पर सहयोग से वैज्ञानिक

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए हैं। शैक्षणिक संस्थान वैज्ञानिक अनुसंधान के बड़े मंच होते हैं। वहां के अनुसंधानों से उद्योग जगत को भी मदद मिलती है। मगर पिछले कुछ सालों से देखा जा रहा है कि उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच तालमेल ठीक नहीं रहता। उद्योगों से अगर वित्तीय मदद मिले, तो तकनीकी शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट शोध सामने आ सकते हैं। इसी मकसद से यूजीसी ने एक बार फिर दोनों के बीच के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने का प्रयास शुरू किया है। तकनीकी संसाधनों के विकास और उन्हें निरंतर अद्यतन करने के लिए सतत अनुसंधान की जरूरत पड़ती है, मगर स्थिति यह है कि हमारे यहां शोध और नवाचार पर दुनिया के दूसरे देशों की अपेक्षा बहुत कम खर्च किया जाता है। केंद्र सरकार ने नए फाउंडेशन की स्थापना करके इस दिशा में आवश्यक धन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। शुरूआती चरण में इसके लिए पचास हजार करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराने का तय किया गया है। इसके अलावा करीब छत्तीस हजार करोड़ रुपए धर्मादा संस्थाओं, उद्योगों आदि के जरिए एकत्र करने की योजना है। दरअसल, धन की कमी की वजह से हमारे यहां वैज्ञानिक शोध की दिशा में प्रगति नहीं हो पाती। प्रयोगशालाओं में जरूरी संसाधन, अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध नहीं हैं, जिनके जरिए नए शोधों की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों को सरकारी खजाने से इतना पैसा नहीं मिल पाता कि वे अपनी प्रयोगशालाओं को उन्नत बना सकें। यही वजह है कि बहुत सारे शोधार्थी दूसरे देशों का रुख करते और वहां अपनी परिकल्पनाओं को साकार करने में कामयाब होते हैं। नए फाउंडेशन की स्थापना और उद्योगों के साथ विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों का तालमेल बेहतर करने के प्रयासों से इस दिशा में कुछ सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। मगर देखने की बात है कि शैक्षणिक संस्थान किस हद तक उद्योगों की जरूरतों को पूरा कर पाते हैं। यह व्यवस्था कोई नई नहीं है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नगर निगमों की लापरवाही से शहरों में जलजमाव

इस बार मानसून की पहली बारिश में ही विभिन्न शहरों में भारी जलभराव और लोगों के डूब कर मरने की खबरें आ गई। मुंबई में दो लोग मर गए। अभी अगले तीन दिनों तक भारी बारिश के अनुमान हैं, इसके लिए संबंधित विभागों को सतर्क रहने की चेतावनी दे दी गई है। यानी अभी और नुकसान की आशंका है। यह कोई पहली बरसात नहीं है, जब शहरों का जीवन इस तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। पिछले कई सालों से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, मगर इसके स्थायी समाधान की तरफ कोई कदम बढ़ाया जाता नहीं दिखता। मुंबई में हर बरसात में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है, रेल सेवाएं बाधित हो जाती हैं, मकानों के धंसने से कई लोगों की जान चली जाती है। मगर बरसात बीतते ही जैसे इस समस्या को भुला दिया जाता है। लंबे समय से यह बात रेखांकित की जा रही है कि शहरों के विस्तार के अनुसार जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने की वजह से बरसात में ऐसी मुश्किलें पेश आती हैं। बढ़ती आबादी के अनुसार जलनिकासी आदि की व्यवस्था होना बहुत जरूरी है। मगर स्थिति यह है कि जो मुहल्ले पुराने हो गए हैं, वहां आबादी सघन होती गई है और जल निकासी की व्यवस्था पुरानी ही बनी हुई है। इस वजह से बरसात का पानी निकलने में काफी वक्त लग जाता है। फिर मुंबई आदि महानगरों में जलनिकासी के उन स्रोतों पर अवैध कब्जा हो चुका है, उनमें बस्तियां बस चुकी हैं, जिनके जरिए शहरों का पानी बह कर समुद्र या नदियों तक पहुंचता था। मुंबई की मीठी नदी इसका बड़ा उदाहरण है। शहरों के बीच से निकलने वाली ऐसी नदियों और जल निकासी के मकसद से बने नालों के भीतर तक अवैध बस्तियां बस गई हैं। उनसे जल निकासी बाधित हो चुकी है। शहरों के तालाबों और जल संग्रहण के प्राकृतिक स्रोतों पर भी इसी तरह कब्जा कर लिया गया है। इस वजह से भी मुहल्लों में लंबे समय तक जल भराव बना रहता है। फिर महानगरों में अनियोजित भवन निर्माण भी इसका बड़ा कारण है। अनेक जगहों पर अवैध रूप से बस्तियां तो बस जाती हैं, मगर उनमें बरसात के पानी के निकास की व्यवस्था नहीं हो पाती। कई जगहों पर लोग जल निकासी के लिए सीवर के मैनहोल खोल देते हैं, जिसके चलते भी हादसे होते हैं। हर साल इस तरह खोली गई भूमिगत नालियों में बह कर लोग दम तोड़ देते हैं। शहरों में जलजमाव का बड़ा कारण नगर निगमों की लापरवाही है। सड़कों के किनारे जल निकासी के लिए बनी जालियों को तोड़ दिया जाता है, जिसकी वजह से नालियों में कचरा भरता रहता है। कायदे से बरसात शुरू होने से पहले नगर निगम को उन नालियों की सफाई करनी चाहिए, ताकि बरसात का पानी सुगमता से निकल सके। मगर उसकी नींद तब खुलती है, जब बरसात हो जाती है और जगह-जगह जलभराव शुरू हो जाता है। तब वे किसी तरह नालियों के मुहाने खोलने का प्रयास करते हैं, मगर वह कारगर साबित नहीं हो पाता, क्योंकि नालियों में गाद भरी रहती है। इस तरह शहरों में जलभराव और बाढ़ की स्थिति के पीछे पूरे तंत्र की लापरवाही है। जब तक इससे निपटने के लिए समग्र रूप से प्रयास नहीं होगा, यह समस्या हर साल बढ़ती ही जाएगी।

जैन समाज के सभी गुट अहम-वहम को दूर कर एक हो जाएं : आचार्य विहर्षसागरजी

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। जैन समाज के सभी गुट समाज की खुशहाली, विकास, एकता एवं देव, शास्त्र, गुरु ,धर्म ,समाज संस्कृति और तीर्थों की रक्षा के लिए अहम, वहम को दूर कर परस्पर में सारे राग देश विवादों को विराम देकर एक हो जाएं। वर्तमान समय में समाज की एकजुटता आवश्यक है और समय की भी यही मांग है। यह उद्गार शनिवार को श्री दिगंबर जैन आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में राष्ट्रसंत आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। एकता का महत्व बताते हुए आपने कहा कि जिस प्रकार गुच्छे से जुड़े अंगूरों का महत्त्व और कीमत ज्यादा और गुच्छे से अलग हुए अंगूरों का महत्त्व व कीमत कम होती है उसी प्रकार विभिन्न गुटों में बटी समाज की तुलना में संगठित एवं एकजुट समाज का महत्त्व और प्रभाव ज्यादा होता है। आपने जैन समाज का शासन, प्रशासन एवं राजनीति में प्रभाव कम होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जैन समाज को राजनीति मैं भी अपना प्रभुत्व बढ़ाना चाहिए और चुनावों में जब भी जैन प्रत्याशी खड़ा हो तब उस का समर्थन कर उसे विजयी बनाना चाहिए भले ही वह किसी भी पार्टी का हो। प्रवचन का समापन करते हुए अंत में आपने कहा कि मैं अपने चातुर्मास के दौरान विभिन्न गुटोंमें बटी समाज को संगठित कर एकजुट करने का प्रयास करूंगा और इसी उद्देश्य से मै इंदौर में चातुर्मास कर रहा हूं। प्रारंभ में श्री सुशील पांड्या, हंसमुख गांधी, विपुल बांझल, सतीश जैन, प्रिंसिपाल टोंग्या एवं आलोक जैन ने आचार्य श्री के समक्ष श्रीफल समर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया धर्म सभा का संचालन राजेश जैन दद्दू ने किया।

आचार्य मुनि सुव्रत सागर महाराज का 12 वां वर्षा योग चातुर्मास स्थापना पिड़ावा में हुई

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया।
पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में आचार्य 108 शिव सागर महाराज के परम शिष्य आचार्य गुरूवर 108 सुव्रत सागर महाराज ने 12वां पावन वर्षा योग चातुर्मास कलश की स्थापना की गई। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन जुना मंदिर नवीन जिनालय खंडपुरा में बाल ब्रह्मचारी संजय भैया पठारी के सानिध्य में विधि विधान मन्त्रोचार, भक्तियां पढ़ते हुवे चातुर्मास की स्थापना की गई। संजय भैया पठारी ने बताया कि जैन धर्म में साधु, सन्त जीवों की रक्षा के लिए चार माह बरसात में विहार नहीं करते हैं वो एक ही स्थान पर रहकर भगवान का गुणगान व अपनी आत्मा का कल्याण करते हैं और श्रावक श्राविकाओं का मौक्ष मार्ग प्रशस्त करते है वर्षा योग का समय चार माह का होता है।

क्या शहद को जमने से रोका जा सकता है?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

आप बाजार में बिकने वाले शहद के चक्कर में न पड़ें। सारा का सारा नकली बिक रहा है। शुद्ध शहद मिलना मुश्किल ही है।

शहद का इतिहास: अखण्ड भारत के प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद में सृष्टि रचनाकाल यानि करोड़ों वर्ष पूर्व मधु के बारे में एक ऋचा अर्थात संस्कृत के श्लोक उल्लेखित है।

मधुमत्पार्थीवर्म राजा:
मधु घोस्तु न: पिता:!
मधुमान्नो वनस्पतिर्मधुमस्तु सूर्य:
माध्वीर्गावा भवन्तु न:!!

वेदों में मधु की यह प्रार्थना अत्यन्त ही हृदय स्पर्शी है कि सम्पूर्ण पृथ्वी शहद के गुणों शहद या मधु हमेशा से रसोई में इस्तेमाल होने वाला एक स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ रहा है, साथ ही सदियों से एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी उसका इस्तेमाल होता है।

जानें शहद के फायदे:

शहद में कई औषधीय गुण हैं। शहद के स्वास्थ्य लाभ और उपयोग - शहद उच्च रक्तचाप, दिल के रोग और खून की कमी ठीक करती है, और चीनी की जगह ले सकती है। शहद को भारत में ही नहीं दूसरी सभ्यताओं में भी बहुते पुराने समय से इस्तेमाल किया जा रहा है। आज तो मेडिकल साइंस भी इसके गूणों पर शोध कर रही है और इसके गुणों को स्वीकर करने लगी है। तो क्या-क्या गुण हैं इसमें? शहद खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। आंखों में मोतियाबिंद की बीमारी हो गई हो तो शहद का इस्तेमाल करें। शहद हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद करता है। छरहरे रहकर तन्दरुस्त रहना जानते हो, तो खाएं मधु पंचामृत। ये वजन भी घटाता है। रिसर्च में कुछ लोगों को एंटी वायरल क्रीम और कुछ लोगों को शहद का प्रयोग करने को कहा गया। नौ दिन तक चले इस रिसर्च में पाया गया कि होठ पर क्रीम की तरह शहद का इस्तेमाल करने वालों को एंटी वायरल क्रीम के मुकाबले काफी ज्यादा फायदा हुआ।

ब्रह्मयोग के साथ गुरु पूर्णिमा विषेश शुभ संयोग में : डॉ. जैन

ग्वालियर. शाबाश इंडिया। गुरु पूर्णिमा ब्रह्मयोग के साथ विशेष शुभ संयोग में सोमवार 3 जुलाई को मनाई जाएगी। समय में कितना भी परिवर्तन आजाए लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु परंपरा का स्थान आज भी वही है और आगे भी जारी रहेगा। मनुष्य जीवन में जन्म से ही गुरु की जरूरत होती है । जन्म के समय प्रथम गुरु के रूप में मां का स्थान, फिर पिता का स्थान और जो भी अक्षर ज्ञान देते हैं उनका भी स्थान गुरु के रूप में है। इन सबसे ऊपर वो गुरु जो परमात्मा से मिलाने के लिए मंत्र, ज्ञान, ध्यान का अभ्यास कराकर मनुष्य जीवन सार्थक बनाते हैं। साल भर में ऐसे ही ज्ञानी,ध्यानी, तप,त्याग,संयम की मूर्ति अर्थात गुरु के पूजन का दिन आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। इस बार गुरु पूर्णिमा 3 जुलाई, सोमवार को मनाई जाएगी। शहर के वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ हुकुमचंद जैन ने जानकारी में कहा कि इस वार की पूर्णिमा तिथि ब्रह्म योग के साथ साथ रहेगी इस लिए इस पूर्णिमा पर गुरुओं की पूजन में विशेष पुण्य फल प्राप्त होगा।

सीकर रोड ट्रांसपोर्ट नगर योजना का जल्द होगा समाधान: शासन मंत्री शांति धारीवाल

आदर्श नगर विधायक रफीक खान व फोर्टि अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल की अहम भूमिका

जयपुर. शाबाश इंडिया। लंबे समय से लंबित पड़ी सीकर रोड़ ट्रांसपोर्ट नगर योजना का समाधान होता नजर आ रहा है आज एक विशेष प्रतिनिधि मंडल जिसमें जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन, विश्वकर्मा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं राजस्थान ऑटोमोबाइल एसोसिएशन (राडा) के पदाधिकारियों के सदस्यों ने यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल से मुलाकात की जिसमें उन्होंने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द इसका समाधान करा दिया जाएगा। इस सारे मामले में हमारे संवाददाता ने क्या जयपुर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश जैन से बात की तो उन्होंने बताया की मंत्री शांति धारीवाल ने हमारे सभी बातें ध्यान से सुने और चुनाव से पहले पहले इस का समाधान निकाल देने का आश्वासन दिया। सूत्रों से माना जा रहा है सरकार रेट में ब्याज में पेनल्टी में ट्रांसपोर्टरों को राहत देगी।

मानसून का स्वागत पेड़ लगाकर किया: नवीन भंडारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। गोपालपुरा बायपास स्थित श्री गोपाल नगर भंडारी जी ने 21 पेड़ लगाकर मानसून का स्वागत किया गया। इसमें जयपुर नगर निगम ग्रेटर पार्षद रवि उपाध्याय श्री राम आशापुरण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन भंडारी श्री गोपाल नगर विकास समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सुपा सचिव उपाध्यक्ष मीना शर्मा मंत्री सतीश चंद्र गुप्ता एवं पधारे कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय लैब ग्रोन ग्रीन डायमंट ज्वैलरी शो का आगाज

एक्जीबिशन में 20 हजार से 20 लाख रुपए तक के गहने प्रदर्शित, फ्री एंट्री के साथ खरीदने का भी अवसर। नन्हीं बालिका काव्या ने फीता काटकर किया उदघाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

होटल ग्रेंड उनियाना में लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड ज्वैलरी की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शनिवार को भव्य शुभारंभ हुआ। काव्य इम्पैक्स व एमोर के सौजन्य में आयोजित एक्जीबिशन का आगाज नन्हीं बालिका काव्या अग्रवाल व एसके सोनी हॉस्पीटल के एमडी एसके सोनी ने फीता काटकर किया। काव्या इम्पैक्स के डायरेक्टर ललित अग्रवाल ने बताया कि विजिटर की सुविधा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी दी गई है। ऑन दा स्पॉट विजिटर पास भी जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सुबह 10 से सांय 6 बजे तक पहले दिन 500 से अधिक विजिटर ने डायमंड ज्वैलरी की खूबियां जानी। करीब दो दर्जन से अधिक विजिटर ने ज्वैलरी खरीदी। ललित चौधरी ने बताया कि जयपुर में लैब ग्रोन ग्रीन डायमंट ज्वैलरी की प्रदर्शनी पहली बार आयोजित की जा रही है। इसमें लैब ग्रोन ग्रीन डायमंड से निर्मित होने वाली हर तरह की ज्वैलरी शोकेस की गई है। ललित चौधरी ने बताया कि आज की तारीख में भारत में जितना भी डायमंड बनता है उसका 70 प्रतिशत डायमंड अमेरिका में जाता है। इसका सबसे बड़ा बाजार यूएस है। ये पिछले दो सालों से अमेरिका में इस इकोफेंडली डायमंड की चमक बढ़ती जा रही है। ये डायमंड सोलर और इलेक्ट्रि सिटी से इसे बनाया जाता है।

नेचुरल डायमंड से कितना अलग

बड़े पैमाने पर मिलेगा रोजगार

ललित चौधरी कहते हैं कि आज नैचुरल डायमंड इंडस्ट्री से जितने लोग जुड़े हैं अगर ये इंडस्ट्री आगे बढ़ती है तो इससे और रोजगार पैदा होगा। 1 लाख करोड़ का माइन डायमंड आता है तो 20 हजार करोड़ का कट एंड पेस्टग वैल्यू लग जाता है। मतलब 1 लाख 20 हजार करोड़ में 80 हजार करोड़ का एक्सापोर्ट होता है। लेकिन अगर इसमें 1 लाख करोड़ का बनता है तो पूरा एक्स पोर्ट होता है। अभी हर रोज 5 लाख लोग इसमें काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि 10 लाख लोग इसमें काम करने लगेंगें।

ललित चौधरी ने जमीन से निकलने वाले नेचुरल और लैब में बनने वाले डायमंड में फर्क बताते हुए कहा कि लैब ग्रीन डायमंड एक तरह से टेस्ट ट्यूब बेबी की तरह है, जैसे टेस्टर ट्यूब बेबी को उन्हींच परिस्थितियों का निर्माण करके बनाया जाता है वैसे ही इस ग्रीन डायमंड को भी बनाया जाता है। इसे पूरे 1500 डिग्री तापमान में बनाया जाता है। ये एक पूरे साइंस के तहत ही बनाया जाता है। वो कहते हैं कि अगर दोनों डायमंड आपके हाथ में रख दिए जाएं तो आप बता नहीं सकते हैं कि कौन सा असली है और कौन सा नकली। यही नहीं जौहरी भी आसानी से नहीं बता सकता कि दोनों में क्यों अंतर है।

लैब ग्रीन डायमंड का प्रदेश में पहला शोरूम जल्द

लैब ग्रीन डायमंड ज्वैलरी का पहला शोरूम जुलाई के प्रथम पखवाड़े में ही जयपुर के सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया में खुलने जा रहा है। काव्य इम्पैक्स व एमोर के इस शोरूम पर 14 कैरेट गोल्ड में तैयार ग्रीन डायमंड की ज्वैलरी मिलेगी। ग्राहक शोरूम पर 20 हजार से 20 लाख रुपए तक की हॉलमार्क सर्टिफाइड ग्रीन डायमंड ज्वैलरी खरीद सकेंगे। एमोर के एमडी अभिषेक डालमिया ने बताया कि राजस्थान के अन्य बड़े शहरों में भी आने वाले समय में फ्रेंचाइजी मोड पर ग्रीन डायमंड ज्वैलरी के शोरूम खोले जाएंगे।

समापन सत्र में पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी होंगे शामिल

दो दिवसीय डायमंड ज्वैलरी शो के समापन सत्र में पूर्व मंत्री अरूण चतुवेर्दी व सांसद रामचरण वोहरा शामिल होंगे।

चातुर्मास हेतु मुनि संघ का हुआ आदिनाथ जैन मंदिर मीरा मार्ग में भव्य मंगल प्रवेश

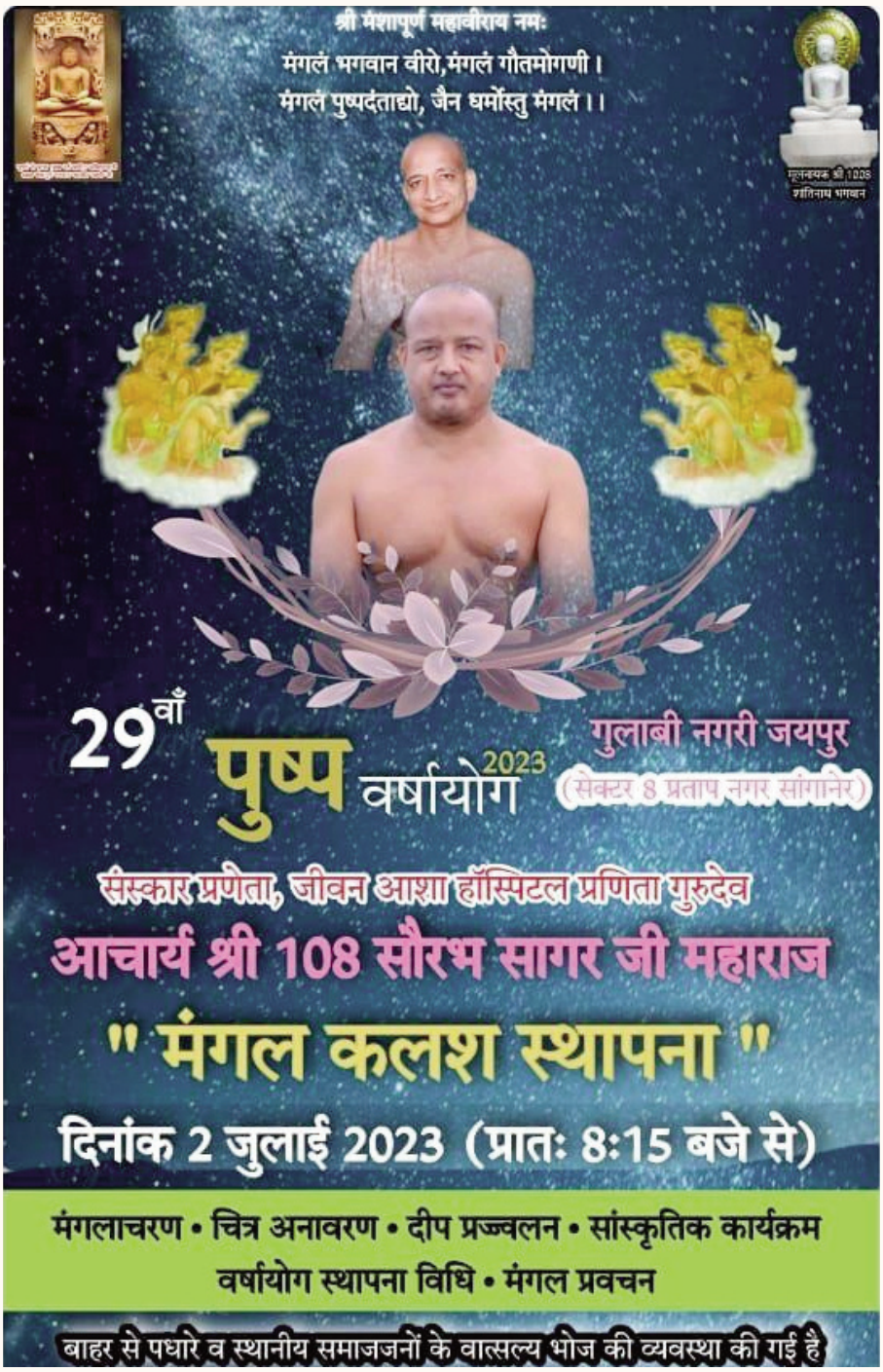

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुनि सर्वानंद जी महाराज, मुनि जिनानंद जी महाराज एवं पुण्यानंद जी महाराज का थड़ी मार्केट जैन मंदिर से भव्य जुलूस के साथ श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास के लिए भव्य मंगल प्रवेश हुआ। शोभायात्रा में मानसरोवर संभाग के सभी जैन मंदिर महिला मंडल एवं युवा मंडल ने भाग लिया। मंदिर के महिला मंडल ने कलश लेकर मुनि संघ की अगवानी करी। समिति के सांस्कृतिक मंत्री जंबू सोगाणी ने बताया महाराज के मंगल आगमन में स्वागत करने के लिए मुनि सेवा संघ समिति के महामंत्री ओमप्रकाश काला राजेश गंगवाल राजीव पाटनी और मानसरोवर संभाग के सभी अध्यक्ष व मंत्री ने महाराज को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के मंत्री राजेंद्र सेठी ने बताया कि 3 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया जाएगा एवं 9 जुलाई को दोपहर 1:00 बजे मुनि संघ के मंगल कलश की स्थापना होगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com